

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, फुलियाकला जिला भीलवाड़ा (राज.)
 प्रशासन भागो के संग 2021 अधिगान शिविर मुकाम धनोप तहसील फुलियाकला
 पीठासीन अधिकारी - राजकेश भीना R.A.S
 प्रकरण संख्या 41/2020 राजस्थान प्रार्थनापत्र

1 हिन्दू पिता छोदू कीर उम-तगरक निवासी खेडा राजपुरा तहसील फुलियाकला जिला
 भीलवाड़ा

..... प्राणी

बनाम

- 1 मुगानी पत्नि भोपाल मुखर उम-तगरक निवासी खेडा राजपुरा तहसील फुलियाकला जिला भीलवाड़ा
- 2 मथूरा पत्नि भोहनलाल कुभावत उम-तगरक निवासी मेगवा तहसील फुलियाकला जिला भीलवाड़ा
- 3 रामचन्द्र पिता बरजावर कीर उम-तगरक निवासी भगवानपुरा तहसील फुलियाकला जिला भीलवाड़ा
- 4 हजारी पिता बरजावर कीर उम-तगरक निवासी भगवानपुरा तहसील फुलियाकला जिला भीलवाड़ा
 मृतक के विधिक वारिस-
- 4/1 लालू पिता हजारी कीर उम-तगरक निवासी भगवानपुरा तहसील फुलियाकला जिला भीलवाड़ा
- 5 शाखा प्रबन्धक, बखौदा भागीण बैंक शाखा सांगरिया तहसील फुलियाकला
- 6 शाखा प्रबन्धक, बैंक ऑफ बखौदा शाखा कोठिया तहसील फुलियाकला
- 7 भूमिधारी तहसीलदार फुलियाकला जिला भीलवाड़ा

..... अप्राणीगण

प्रार्थनापत्र अन्तर्गत राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251 (क) की उपधारा (1) के
 अधीन अनुज्ञा के लिए आवेदन

उपस्थित :- श्रीमती मदीना बानू — अधिवक्ता प्राणी
 राज्य पक्ष तहसीलदार फुलियाकला


निर्णय

दिनांक 14.10.2021

प्रकरण के संक्षेप में तथ्य इस प्रकार है कि अधिभाषक प्राणी द्वारा एक प्रार्थनापत्र अन्तर्गत धारा 251 (क) राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 दिनांक 12.04.2020 को प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुत प्रार्थनापत्र के अनुसार ग्राम धनोप पटवार मण्डल धनोप तहसील फुलियाकला स्थित खतौनी संख्या 1001 के आशजी संख्या 1810, 1814, 1815, 1816 प्राणी व विपक्षी संख्या 01 के पक्ष में खातेदारी डक से दर्ज रिकार्ड है, एवं प्राणी के स्वयं की सहखातेदारी भूमि में आने जाने हेतु कोई रथाई किन्हीकरण/शरता उपलब्ध नहीं होने से पड़ौसीयों से भिन्नत करके अपनी स्वयं की आशजीगत तक पहुँचना पड़ता है। प्राणी शुरूआत से अप्राणीगण की सहखातेदारी भूमि में होकर आता जाता रहा है, परन्तु अब अप्राणीगणों द्वारा रुकावट उत्पन्न किये जाने से प्राणी ने विपक्षीगण की आशजी संख्या 1810, 1811, 1810/3532, 1811/3533 की मेड के सहारे सहारे 20 फिट नवीन शरता कागमी बाबत प्रकरण प्रस्तुत किया गया है।

अतः प्रार्थनापत्र प्राणी रवीकार फरमाया जाकर प्राणी की सहखातेदारी आशजीगत में पहुँच हेतु विपक्षीगण की खातेदारी/सहखातेदारी आशजी संख्या 1810, 1811, 1810/3532, 1811/3533 की मेड के सहारे सहारे 20 फिट नवीन शरता कागम किया जावे।

प्राणी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थनापत्र दिनांक 12.11.2020 को दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्राणीगण को जरिये नोटिस, मामले में तजह जाहिर करने हेतु तलब किया गया। न्यायालय द्वारा तहसीलदार फुलियाकला को जरिये पत्र निर्देश दिये गये कि प्राणी द्वारा चाहे गये शरते के मुकाबले रिकार्ड एवं मौके का अध्ययन कर, नियमानुसार नवीन शरता कागमी हेतु प्रस्ताव भिजवाया जावे।


 सहायक न्यायाधीश

इसी दौरान प्रकरण को प्रशासन भागी के संग 2021 अगस्त शिविर मूलाय धनोप दिनांक 14.10.2021 के लिए संजीवित किया गया। विपक्षीयण द्वारा विहित समायोज्यी में जवाब प्रस्तुत नहीं किये जाने से विरुद्ध विपक्षीयण संख्या 01 से 06 एकलपत्र कार्यवाही की आज्ञा पारित की गई। न्यायालय ने भास 151 भागी के सहित अपनी अर्थाधिकृत शक्तियों का प्रयोग करते हुए मृतक पक्षकार विपक्षी संख्या 04 के स्थान पर विधिक वारिस को कम 4/1 पर शिविर में संयोजित किया। वहीं मौजूद नवीन पक्षकार ने कोई उत्तर आपत्ति नहीं व्यक्त करते हुए, प्रार्थनापत्र प्रार्थी मंजूर किये जाने में सहमती स्वरूप इस्तफा अर्जित किये। शिविर में उपस्थित प्रार्थी पक्ष ने अपने अधिवक्ताओं से प्रार्थनापत्र को स्वीकार किये जाने का अनुरोध किया।

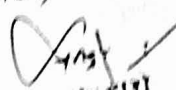
प्रकरण में भूअनिरीक्षक धनोप द्वारा प्रस्तुत नवीन शस्ता कार्यवाही संयुक्त रिपोर्ट का अवलोकन किया गया, जिसमें शस्ता कार्यवाही हेतु ग्राम धनोप प.ह.क्षेत्र धनोप स्थित आराजी संख्या 1810 स्कवा 0.43 में से 0.0138 हैक्ट. (138 वर्गमीटर) (76 मीटर गुणा 1.82 मीटर) आराजी संख्या 1811 स्कवा 0.40 में से 0.0138 हैक्ट. (138 वर्गमीटर) (76 मीटर गुणा 1.82 मीटर) आराजी संख्या 1810/3532 स्कवा 0.07 में से 0.0047 (47 वर्गमीटर) (26 मीटर गुणा 1.82 मीटर), आराजी संख्या 1811/3533 स्कवा 0.46 में से 0.0047 (47 वर्गमीटर) (26 मीटर गुणा 1.82 मीटर) सुगमतम एवं निकटतम शस्ता प्रस्तावित किया गया है। अप्रार्थी 01 से 06 को इससे कोई भासि क्षति होने का कथन मान्य नहीं है।

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251 (क)(1) की स्पष्ट अधिसूचना है कि प्रत्येक खातेदार को अपनी स्वयं की खातेदारी भूमि में पट्टेबंदी के लिए शस्ता उपलब्ध कराया जावे। शस्ता 30.00 फिट तक उपलब्ध कराये जाने का प्रावधान है। भूअनिरीक्षक से प्राप्त प्रतिवेदन के अनुसार प्रार्थी को विपक्षीयण की खातेदारी/सहखातेदारी आराजी संख्या 1810, 1811, 1810/3532, 1811/3533 में से 0.0370 हैक्ट. (370 वर्गमीटर) का ही शस्ता उपलब्ध कराने के प्रस्ताव पेश हुए हैं। इस प्रकार अप्रार्थीयण को न्यूनतम अर्जितिया का स्थान रखते हुए आराजीयात में से शस्ता प्रस्तावित हुआ है। सुखाचार अधिनियम में भी स्पष्ट है कि यदि खातेदार को पड़ोसी खातेदारों की भूमि में से शस्ता नहीं उपलब्ध कराया गया तो प्रार्थी को खेती के कार्य से महरूम रहना पड सकता है। दूसरी ओर अप्रार्थीयणों ने प्रार्थनापत्र में खण्डन स्वरूप जवाब प्रस्तुत नहीं किया है, जिससे न्यायालय यह विचार करें कि नवीन शस्ता कार्यवाही से अप्रार्थीयण को कोई भासि क्षति होगी।

पत्रावली का अधोपान्त अध्ययन एवं अवलोकन किया गया। अप्रार्थीयण को न्यूनतम अर्जितिया हो तथा अप्रार्थी की कम से कम कृषि भूमि प्रभावित हो इस हेतु भूअनिरीक्षक धनोप द्वारा ग्राम धनोप प.ह.क्षेत्र धनोप स्थित आराजी संख्या 1810 स्कवा 0.43 में से 0.0138 हैक्ट. (138 वर्गमीटर) (76 मीटर गुणा 1.82 मीटर) आराजी संख्या 1811 स्कवा 0.40 में से 0.0138 हैक्ट. (138 वर्गमीटर) (76 मीटर गुणा 1.82 मीटर) आराजी संख्या 1810/3532 स्कवा 0.07 में से 0.0047 (47 वर्गमीटर) (26 मीटर गुणा 1.82 मीटर), आराजी संख्या 1811/3533 स्कवा 0.46 में से 0.0047 (47 वर्गमीटर) (26 मीटर गुणा 1.82 मीटर) निकटतम एवं सुविधाजनक प्रस्तावित नवीन शस्ता कार्यवाही हेतु यह प्रकरण उचित प्रतीत होता है।

आदेश

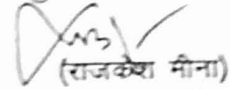
प्रार्थी का प्रार्थनापत्र सहक प्रार्थी विरुद्ध अप्रार्थीयण इस प्रकार स्वीकार किया जाता है कि चाके ग्राम धनोप प.ह.क्षेत्र धनोप स्थित आराजी संख्या 1810 स्कवा 0.43 में से 0.0138 हैक्ट. (138 वर्गमीटर) (76 मीटर गुणा 1.82 मीटर) आराजी संख्या 1811 स्कवा 0.40 में से 0.0138 हैक्ट. (138 वर्गमीटर) (76 मीटर गुणा 1.82 मीटर)

सद. 
 जय पट्ट अविनारी
 महिदा प.स. (सि.स.)

आराजी संख्या 1810/3532 रकबा 0.07 में से 0.0047 (47 वर्गमीटर) (26 मीटर गुणा 1.82 मीटर) आराजी संख्या 1811/3533 रकबा 0.46 में से 0.0047 (47 वर्गमीटर) (26 मीटर गुणा 1.82 मीटर) भूमि मुआबिक प्रस्ताव/नजरी नक्शा (सार्वजनिक उपयोग हेतु) नवीन सस्ता कायम किया जाकर तदनुसार रिकार्ड में अमल-दरामद तहसीलदार फुलियाकला द्वारा किया जावे।

यह आदेश तब ही प्रभावी होगा जब प्रार्थी द्वारा अप्रार्थीगण संख्या 01 से 04 (आराजी संख्या 1810, 1811, 1810/3532, 1811/3533 के वर्तमान खातेदार) के पक्ष में तहसील फुलियाकला में प्रचलित डी.एल.सी. दर प्रति हैक्टेयर अनुसार रकबा 0.0370 हैक्टेयर शालियत राशि की तिगुनी राशि 26,202/- रुपये (0.0370 हैक्टेयर की) राज्य कोष/अप्रार्थी संख्या 01 से 04 को अदायगी कर दी जावे/जमा करा दी जावे।

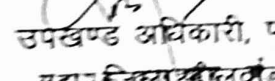
पत्रावली दर्ज रजिस्टर से कम की जाकर फंसल शुमार हो। निर्णय आज दिनांक 14.10.2021 को प्रशासन गावों के संग 2021 अभियान शिविर मुकाम धनोप के खुले न्यायालय में सुनाया गया।


(राजकेश मीना)

उपखण्ड अधिकारी, फुलियाकला
दर सजिला नालिदाडा
फुलिया कला (नाच.)

प्रतिलिपि-

1- तहसीलदार फुलियाकला को पालनार्थ प्रेषित है।


उपखण्ड अधिकारी, फुलियाकला
दर सजिला नालिदाडा
फुलिया कला (नाच.)